घुटुरन अंगना फिरत कन्हैया

घुटुरन अंगना फिरत कन्हैया,
मधुरी बोल कछु सीखत मोहन,
कहन लागे अब मैया मैया,
घुटुरन अंगना फिरत-------

नन्द मेहर सों बाबा बाबा,
बलदाऊ सों भैया भैया,
घुटुरन अंगना फिरत--------

अधर बीच दंतुल मन मोहत,
नन्द यशोदा लेत बलैया,
घुटुरन अंगना फिरत--------

ग्वालबाल सजि धजि संग गोपिन,
धूम मचावत देत बधैया,
घुटुरन अंगना फिरत----------

रचना आधार: ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17480/title/ghuturan-angana-phirat-kanhiya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |